MAHD–06

December – Examination 2020

M.A. (Final) Examination

HINDI

कथा-साहित्य

Paper : MAHD-06

*Time : **2** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

   (i) उपन्यास की परिभाषा दीजिए।

   (ii) 'परीक्षा गुरु' उपन्यास के रचनाकार का नाम बताइए।

   (iii) 'गोदान' उपन्यास के नायक का नाम लिखिए।

(iv) ऐतिहासिक उपन्यास का आशय स्पष्ट कीजिए।

(v) 'पिता' कहानी की दो भाषागत विशेषताएँ लिखिए।

(vi) अज्ञेय किस श्रेणी के उपन्यासकार हैं ?

(vii) कथोपकथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

(viii) 'जिन्दगी और जोंक' कहानी के प्रमुख पात्रों के नाम लिखिए।

खण्ड—ब **4×16=64**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

फिर वह बैन कहकर रोने लगी-इस घर में आकर उसने क्या नहीं झेला, किस-किस तरह पेट-तन नहीं काटा, किस तरह एक-एक लत्ते को तरसी, किस तरह एक-एक पैसा प्राणों की तरह संचा, किस तरह घर-भर को खिलाकर आप पानी पीकर सो रही और आज उन सारे बलिदानों का यह पुरस्कार। भगवान बैठे यह अन्याय देख रहे हैं और उसकी रक्षा को नहीं दौड़ते। गज की और द्रौपदी की रक्षा करने बैंकुंठ से दौड़े थे। आज क्यों नींद में सोए हुए हैं ?

3. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

यदि धूप और छाँह एक-दूसरे के परिपूरक हैं, तो क्यों इन फूलों को देखकर यह भावना नहीं जागती, क्यों इस कोठरी के पाँच कदम लम्बे और तीन कदम चौड़े, लोहे की कड़ियों से घिरे हुए अन्धकार के टुकड़े में, मुझे इन फूलों को देखकर सम्पूर्णता का भान नहीं होता, क्यों इनके बिखरे-बिखरे सफेद सौन्दर्य में खुली-खुली सी पीली आँखें देखकर मुझे अत्यन्त अपूर्ति, अखंड शून्यता का अनुभव होता है! क्यों मेरे अन्दर एक उत्कट विद्रोह, एक सर्वनाशक जिज्ञासा जागती है।

4. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

बहुत दिनों पर आज उसको कल ढोना पड़ा। किसी तरह अपनी कोठरी में पहुँचकर उसने देखा कि बालक बैठा है। बड़बड़ाते हुए उसने पूछा-क्यों रे, तूने कुछ खा लिया कि नहीं ? भर-पेट खा चुका हूँ, और वह देखो तुम्हारे लिए भी रख दिया है। कहकर उसने अपनी स्वाभाविक मधुर हँसी से उस रूखी कोठरी को तर कर दिया। शराबी एक क्षण चुप रहा। फिर चुपचाप जल-पान करने लगा। मन-ही-मन सोच रहा था—यह भाग्य का संकेत नहीं, तो और क्या है ?

5. गोदान को महाकाव्यात्मक उपन्यास क्यों कहा जाता है ?

6. 'समय सरगम' उपन्यास की मूल संवेदना का विवेचन कीजिए।

7. 'शेखर' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

8. कहानी के प्रमुख तत्त्वों पर प्रकाश डालिए।

9. 'पत्नी' कहानी की पात्र-योजना पर टिप्पणी कीजिए।